रिवीजन टेस्ट – 2020

कक्षा – 10 वीं

विषय – हिन्दी**(सामान्य)**

पूर्णांक – 80

नोटः–

सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उसके सम्मुख अंकित है–

प्र01 सही विकल्प का चयन कीजिए – 1x5=5

क. तुलसीदास जी के गुरू का नाम था।

(i) शंकराचार्य (ii) नरहरिदास (iii) वल्लभाचार्य (iv) हरहरिदास

ख. कर्मवीर कविता के रचनाकार हैं।

(i) अयोध्यासिंह उपाध्याय ' हरिऔध ' (ii) प्रेम भारती (iii) रामनरेश त्रिपाठी (iv) उषा वर्मा

ग. पूर्व और नूतन का जहाँ मेल होता है, वही

(i) श्रृग्वेद का आधार है (ii) अग्नि की उपासना

(iii) संस्कृति की उपजाऊ भूमि है (iv) बाबा वाक्य प्रमाण है।

घ. ' नौ दो ग्यारह होना ' का मतलब है।

(i) मर जाना (ii) खड़े होना

(iii) भाग जाना (iv) धोखा देना।

ड़. पर्यायवाची शब्द को कहते है–

(i) एकार्थी (ii) अनेकार्थी

(iii) समानार्थी (iv) विलोमार्थी

प्र02 रिक्त स्थानो की पूर्ति उचित शब्दों का चयन कीजिए – 1x5=5

क. कवि हरिऔध की रचनाएँ .... की हैं। (प्रियप्रवास / साकेत)

ख. ' सम्पतिशास्त्र ' पुस्तक के लेखक का नाम बताइए।

(आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी / हजारी प्रसाद द्विवेदी)

ग. ' सूखी डाली ' एकांकी .... पृष्ठभूमि पर लिखी गई है। (पारिवारिक / सामजिक)

घ. दो पदों का अलग होना .... कहलाता है। (विग्रह / विच्छेद)

ड. ' मत ' शब्द का पयार्यवाची .... है। (विभाव / विचार)

प्र03 निम्नलिखित कथनों में से सत्य / असत्य का चयन कर लिखिए। 1x5=5

क. दूसरे देशों ने भारत को शिक्षित किया।

ख. कजली गीत शीत ऋतु में गाया जाता है।

ग. ' दाँतों तले ऊँगली दबाना ' का अर्थ दाँत से ऊँगली दबाना है।

ड. समास छः प्रकार के होते है।

प्र04 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए – 1x5=5

क. पीड़ा दुलारने वाला किसे कहा गया है ?

ख. ' सूखी डाली ' एकांकी में दादा का नाम क्या हैं ?

ग. स्वभाव से साधु कौन होते है ?

घ. वाक्य मुख्य रूप से कितने प्रकार के होते है ? नाम लिखिए।

ड. सम्+मोहन=सम्मोहन किस संधि का उदाहरण है ?

प्र05 द्विवेदी के इस्तीफा वापस लेने के संबंध में उनकी पत्नी ने क्या कहा ?

अथवा **02**

संस्कृति जीवन के लिए आवश्यक क्यों है ?

प्र06 संयुक्त परिवार का प्रतीक प्रस्तुत एकांकी में किसे बताया गया है और क्यों ?

अथवा **02**

होशंगाबाद में द्विवेदी जी ने क्या नई उपलब्धियाँ प्राप्त की ?

प्र07 मुहावरे की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

अथवा **02**

द्विगु समास की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प्र08 भाषा किसे कहते है ?

अथवा **02**

विकारी शब्द की परिभाषा लिखिए।

प्र09 देशज शब्द की परिभाषा लिखिए।

अथवा **02**

समास की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प्र010 सन्धि की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

अथवा **02**

वाक्य की परिभाषा व उसके अंगो को लिखिए।

प्र011 विराम चिह्न की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

अथवा **02**

लोकोक्ति से क्या अभिप्राय है ? उदाहरण सहित लिखिए।

प्र012 कवि तुलसीदास जी को अपनी इन्द्रियों पर हँसी क्यों आती है ?

अथवा **03**

वर्षा की प्रतीक्षा सभी प्राणियों को क्यों रहती है ?

प्र013 जिसका चरण निरंतर रत्नेश धो रहा हैं से कविता का क्या आशय है ?

अथवा **03**

कर्मवीर मनुष्य के मार्ग में कैसी-कैसी बाधाएँ आती हैं ?

प्र014 कैसे लोग नई संस्कृति को जन्म नहीं दे पाते ?

अथवा **03**

द्विवेदी जी को विद्यार्थी जीवन में किन-किन कठिनाईयों का सामना करना पड़ा ?

प्र015 समय की माँग के अनुसार परिवर्तित पारिवारिक मान्यताओं को दादाजी किस प्रकार स्वीकृति देते है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा **03**

'अव्यवस्थित ' चित वाले मनुष्य की सफलता में सदा संदेह रहता है, आशय स्पष्ट कीजिए।

प्र016 कविता के आधार पर भारत के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए, वर्णन करते समय आवश्यकतानुसार चित्र बनाइए।

अथवा **04**

'बरखा गीत ' कविता में प्रयुक्त प्रतीकों को समझाइए एवं प्रतीक संबधी कविता की उन पंक्तियों को भी लिखिए।

प्र017 '' कुटुम्ब एक महान् वृक्ष हैं। छोटी-बड़ी सभी डालियाँ उसकी छाया को बढ़ाती हैं ? इस कथन की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

अथवा **04**

द्विवेदी जी को सरस्वती पत्रिका में प्रकाशन करने के लिए किस तरह के प्रलोभन दिए जाते थे ? इस संबंध में उनकी प्रतिक्रिया क्या होती थी ?

प्र018 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए। **04**

जाके प्रिय न राम बैदेही ।
तजिए ताहि कोटि बैरी सम, जदपि परम सनेही ।।
तज्यो पिता प्रहलाद, विभीषण बंधु भरत महतारी ।

बलि गुरू तज्यौं, कंन बज्र-बनियन, भए मुद-मगलकारी।।
नाते नेह राम के मनियत सुहद सुसेव्य जहाँ लौं।
अंजन कहा आँखि जेहि फूटै बहुतक कहौं कहाँ लौं।।
तुलसी सो सब भाँति परमहित पूज्य प्रान ते प्यारों।
जासों होय सनेह राम पद, ऐतो मतो हमारो।।

अथवा

व्योम को हूते हुए दुर्गम पहाड़ो के शिखर।
वे घने जंगल जहाँ रहता है तम आठों पहर।।
गजरती जल-राशि की उठती हुई ऊँची लहर।
आग की भयदायिनी फैली दिशाओं में लवर।।
ये कँपा सकती कभी जिसके कलेजे को नहीं।
भूलकर भी वह नहीं नाकाम रहता है कहीं।।

प्र019 निम्नलिखित अपठित गद्यांश का पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **04**

हमें स्वराज्य अवश्य मिला परन्तु सुराज आज भी हमसे दूर है। कारण स्पष्ट है, देश को समृद्ध बनाने उद्देश्य से कठोर परिश्रम करना न हम ने सीखा है, न सीखने के लिए ईमानदारी से उस ओर उन्मुख ही है। श्रम का महत्व न हो हम जानते है, न मानते है। हमारी नस-नस में आराम तलबी समाई है। हाथ से काम करने को हीनता समझते है। काचोरी के हमारा नाता घना है। कम से कम काम करके अधिक से अधिक दाम पाने की दूषित मनोवृति राष्ट्र की आत्मा में घर कर गई है।

प्र01 उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।
प्र02 'सुराज' हमसे दूर क्यों है ?
प्र03 लेखक ने किस दूषित मनोवृति की ओर संकेत किया है ?
प्र04 स्वराज्य सुराज में कब परिणित होगा ?

प्र020 निम्नलिखित अपठित पद्यांश का पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **04**

मुझे तोड़ लेना वनमाली
उस पथ पर देना तुम फेंक,
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने।

प्रश्न–(1) वनमाली से तोड़ की बात कौन कर रहा है ?
(2) पुष्प किस पथ पर जाना चाहता है ?
(3) पुष्प किस भूमि की बात कर रहा है ?
(4) पुष्प शब्द का पर्यायवाची शब्द लिखिए।

प्र021 स्थानान्तरण प्रमाण पत्र के लिए अपने प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा **05**

अपने भाई के विवाह समारोह में सम्मिलित होने के लिए अपने मित्र को आमंत्रण लिखिए।

प्र022 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबंध 200-250 शब्दों में लिखिए। **06**

(अ) (1) कोविड–19
(2) स्वच्छ भारत स्वच्छ भारत
(3) वृक्षारोपण का महत्व
(4) 'दहेज-प्रथा' एक सामजिक समस्या

(ब) किसी एक विषय की बिन्दुवार रूपरेखा लिखिए। **03**

(1) विज्ञान की प्रगति
(2) समय का सदुपयोग
(3) राष्ट्रीय एकता
(4) खेलों का महत्व